दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्ष :-04
अंकः-223
मुरादाबाद
04 December 2024
(Wednesday)
पृष्ठः-08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

विश्व दिव्यांग दिवसः सीएम योगी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित, वितरित किए राज्य स्तरीय पुरस्कार

विश्व दिव्यांग दिवस पर सीएम योगी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित किए। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित किए। साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस भी है। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती भी है। वह स्वतंत्रता

संग्राम सेनानी भी थे, देश की संविधान सभा के अध्यक्ष भी थे।कई महापुरुषों का दिया उदाहरण- कहा कि दिव्यंगता एक शारीरिक कम मानसिक स्थिति मानी जाती है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र और सूरदास को याद करते हुए कहा कि उनके बिना श्री कृष्ण कथा पूरी हो सकती है क्या? दुनिया को फिजिक्स की नई थ्योरी देने वाले वैज्ञानिक को याद कीजिए। याद कीजिए स्वामी रामभद्राचार्य जी को। कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्हें मंच मिला, समाज का थोड़ा प्रोत्साहन और संबल मिला तो उन्होंने अपनी प्रतिभा का लाभ मानवता देश को दिया है। यह साबित किया कि हम किसी से कम नहीं हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि आज राज्य के अंदर दो-दो दिव्यांग विश्वविद्यालय हैं।कॉलेज की संख्या और बढ़ाई जानी चाहिए उनके लिए कॉलेज अलग से संचालित है। लेकिन, मेरा मानना है कि इन कॉलेज की संख्या और बढ़ाई जानी चाहिए। इसमें पढ़ाने वाले शिक्षकों को अधिक सुविधाएं और मानदेय मिलना चाहिए।

आज 21 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 46 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया है। सम्मानित होने वाले छात्रों ने 90-95 फीसदी तक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कुछ नया किया है। सीएम ने कहा कि दिव्यांग बच्चों द्वारा पेश मधुर गीत में अद्भुत मिठास थी। बच्चों का अनुशासित व्यवहार दिखाता है कि आप काम करेंगे तो रिजल्ट अपने आप आपकी काबिलियत बताएगा।

संभल हिंसा पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान, खोदोगे तो देश का सौहार्द 'खो दोगे'

संभल हिंसा पर सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम घटना पर अपनी बात सदन में रखना चाहते हैं। वहां के अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं, मानो वे भाजपा के कार्यकर्ता ।संभल की घटना भाजपा की सोची-समझी रणनीति है, ताकि लोगों को दूसरे मुद्दों से भटकाया जा सके। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने संभल हिंसा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन से संसद सत्र शुरू हुआ है, समाजवादी पार्टी ने संभल की घटना का मुद्दा उठाने की कोशिश की है। सदन नहीं चला, लेकिन हमारी मांग अब भी वही है। हम संभल की घटना पर अपनी बात सदन में रखना चाहते हैं। वहां के अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं, मानो वे भाजपा के कार्यकर्ता ।संभल की घटना भाजपा की सोची-समझी रणनीति है, ताकि लोगों को दूसरे मुद्दों से भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग हर जगह खुदाई करना चाहते हैं, एक दिन वे देश की सौहार्दता और भाईचारे को खो देंगे। बांग्लादेश मुद्दे पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भारत सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए, ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए, अगर वे हमारे संतों का सम्मान नहीं कर सकते तो वे एक मजबूत सरकार होने का दावा कैसे कर सकते हैं। सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि इस तरह के सर्वेक्षणों (मस्जिदों के) के जरिए देशभर में अशांति पैदा करने की साजिश रची जा रही है। सुप्रीम कोर्ट को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे आदेश देने वाले जजों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। संभल में मस्जिद सर्वे के दौरान हुआ था बवाल - संभल में 24 नवंबर को मस्जिद के सर्वे को लेकर बड़ा बवाल हो गया। विवाद के दौरान फायरिंग और पथराव की घटनाओं में पांच लोगों की जान चली गई। करीब 20 लोग घायल हो गए, जिनमें से अधिकांश पुलिसकर्मी हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने स्थिति पर काबू पाने के लिए कड़ी निगरानी शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी सरकार के मंत्री का विवादित बयान, बोले- हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है

यूपी सरकार के मंत्री का विवादित बयान सामने आया है। रामकथा के मंच से कहा कि हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है । उत्तर प्रदेश के अमेठी में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने एक कार्यक्रम में विवादित बयान दिया है। उन्होंने रामकथा के मंच से कहा कि हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है। किसी ने इसका वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया तो यह वायरल हो गया। अब लोग इस पर अपने-अपने तरीके से प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। यूपी सरकार में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह रामकथा में पहुंचे थे। वह मंच से लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने कह दिया कि हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है। इस दौरान मंच पर उनके साथ उनके बेटे मौजूद थे। मयंकेश्वर शरण सिंह जिले की तिलोई विधानसभा से भाजपा के विधायक हैं। सूबे के राज्यमंत्री हैं।

मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से निपटने का खाका तैयार, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर समिति का गठन

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी बीमारी से पीड़ित मरीजों के इलाज व इस क्षेत्र में काम करने के लिए समिति के गठन का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मरीजों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।मस्कुलर डिस्ट्रॉफी बीमारी से पीड़ित सरकार प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र में तेजी से द्वारा इसका खाका तैयार किया गया सकती है डिप्टी सीएम के निर्देश पर है। समिति के सुझावों के आधार पर जाएगा। यह कहना है प्रदेश कि डिप्टी पिछले दिनों विधानसभा स्थित कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए बैठक में डिप्टी सीएम ने मस्कुलर

मरीजों को इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में काम चल रहा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक है। मरीजों को क्या सहायता उपलब्ध कराई जा इसके लिए एक समिति का गठन किया गया मरीजों को गुणवत्तापरक इलाज उपलब्ध कराया सीएम ब्रजेश पाठक का। उन्होंने बताया कि कार्यालय कक्ष में इस विषय पर आहूत बैठक में थे।स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों की डिस्ट्रॉफी बीमारी से पीड़ित मरीजों को उचित इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए थे। निर्देशों के आधार पर प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा द्वारा एक समिति का गठन किया गया है। समिति की अध्यक्ष चिकित्सा शिक्षा विभाग की सचिव अपर्णा यू, चिकित्सा शिक्षा विभाग की विशेष सचिव कृतिका शर्मा को सचिव, केजीएमयू के कुलपति, आरएमएल के निदेशक, एसजीपीजीआई के निदेशक एवं दिव्यांजन शक्तिकरण विभाग द्वारा नामित अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि मरीजों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

ओम बिरला की सांसदों को दो टूक, कहा- अगर ऐसे ही टलती रही कार्यवाही तो रविवार को भी बुलाया जाएगा सदन

अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। मंगलवार को भी हंगामे जारी रहा। ऐसे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी दी। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन यानी मंगलवार को भी हंगामा

जारी रहा। इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी दी कि अगर स्थगन के कारण सदन की कार्यवाही ऐसी ही बाधित होती रही तो शनिवार और रविवार को भी सदन बुलाया जाएगा। सरकार और विपक्षी दल एक समझौते पर पहुंचे- सरकार और विपक्षी दलों ने सोमवार को संसद में एक सप्ताह से चल रहे गतिरोध को तोड़ने के लिए एक समझौते पर पहुंच गए, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा में संविधान के 75वें वर्ष को अपनाने के अवसर पर चर्चा के लिए तारीखों की घोषणा की गई थी।इस दिन संविधान पर होगी चर्चा- निचला सदन लोकसभा 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा करेगा, जबकि उच्च सदन राज्यसभा 16 और 17 दिसंबर को संविधान पर चर्चा करेगा। प्रश्नकाल के तुरंत बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, शनिवार यानी 14 दिसंबर को सदन की बैठक सुबह 11 बजे होगी। यदि आप स्थगन जारी रखते हैं, तो जितने दिन इसे स्थगित किया गया है, आपको शनिवार और रविवार को भी कार्यवाही में शामिल होना होगा। इन मुद्दों के कारण नहीं चल पा रही सदन - उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि उन्होंने आज किसी भी स्थगन नोटिस की सूचना देने की अनुमति नहीं दी है। अदाणी विवाद, उत्तर प्रदेश के संभल में हाल की हिंसा और अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण पिछले सप्ताह लोकसभा की कार्यवाही नहीं चल सकी है।

मनरेगा को लेकर शिवराज सिंह चौहान और कल्याण बनर्जी भिड़े, मंत्री बोले- TMC ने अपात्रों को दिया लाभ

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि मनरेगा के बजट आवंटन में पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया जा रहा है और उसे देय राशि रोकी गई। इसके जवाब में शिवराज चौहान ने कहा कि यह राशि निश्चित उद्देश्यों के लिए होती है। अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। हालांकि, मंगलवार को सातवें दिन कार्यवाही हुई। इस दौरान, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी' (मनरेगा) योजना के तहत बजट आवंटन का दुरुपयोग किया गया तथा 'अपात्र' लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध

किया गया है। पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया जा रहा- कल्याण बनर्जी- मनरेगा पर एक सवाल के दौरान पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भिड़ गए। दरअसल कल्याण बनर्जी ने अपने सवाल में आरोप लगाया कि 2022-23 में बंगाल को केंद्र की तरफ से कोई पैसा नहीं मिला। बनर्जी ने कहा कि केंद्र दलील दे रही है कि इस योजना में गैरकानूनी काम हुए हैं, क्या गैरकानूनी काम हुए हैं? बनर्जी के सवाल का जवाब देने के लिए उठे शिवराज चौहान ने कहा कि मनरेगा की राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए होती है। अगर ये राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति में नहीं जा सकती है तो इसे रोका जा सकता है।शिवराज चौहान बोले- बंगाल में पात्र लोगों को अपात्र बनाया मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ निश्चित लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध पश्चिम बंगाल में किया गया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है।

इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है। ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। इसी योजना के तहत भी अपात्र लोगों को लाभ दिया गया और पात्र लोगों को छोड़ दिया गया। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास%, लेकिन हम राशि का दुरुपयोग नहीं होने देंगे। मोदी जी कहते हैं कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा।'धन के आवंटन की कमी की बात गलत- पेम्मासानी- उनके जवाब के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने टोकाटोकी की। मनरेगा से जुड़े कुछ पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि धन के आवंटन की कमी की बात गलत है तथा मानदेय कम होने की बात भी गलत है क्योंकि इसका निर्धारण महंगाई से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के बजट में हर साल 10-20 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई।अबुआ आवास योजना में मनरेगा का फंड जाने का आरोप- मनरेगा के तहत वेतन बांटने की चर्चा के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, मनरेगा निधियां श्रम घटक के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना में जाती हैं और मेरे विचार से शायद भारत सरकार ने इसकी अनुमति दी है। क्या मनरेगा का फंड राज्य सरकार की योजना अबुआ आवास योजना में जाता है, क्या श्रम घटक में इसकी अनुमति है? यदि इसकी अनुमति नहीं है, तो आपने क्या कार्रवाई की है? मैं मंत्री (शिवराज सिंह चौहान) से यह पूछना चाहता हूं। अगर ऐसा है तो करेंगे जांच- चौहान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मनरेगा का पैसा मजदूरों को मजदूरी देने के लिए है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी उस परिवार के सदस्य को मजदूरी दी जा सकती है, जिसका घर बन रहा है। अगर यह पैसा अबुआ आवास योजना में जाता है, तो हम इसकी जांच करेंगे और अगर इसका दुरुपयोग किया गया है, तो हम इसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

संपादकीय Editorial

Earning from public land

Innovation is needed to grow a purpose on land or the wealth used needs a product. HPMC is going to make a unique effort of this kind. Once, with great zeal, the corporation had bought three acres of land in Kolkata, so that Himachal's horticulture could get support in the chain of cold storage. This purpose could not be established on that land, but this white elephant always remained a thorn in the eyes of the corporation. Amidst the proposals to sell the land, the corporation is now looking for an opportunity to increase its income, which is like a new advocacy of economics. HPMC is working on a plan to set up an IT park with one of its business partners on three acres of land in Kolkata and charge rent every month. HPMC's steps from fruit processing to information technology in the packaging of resources are actually the yearning to earn extra. If other corporations also diversify their capabilities with this feeling, then innovation of choosing many earning paths will be visible. One will have to make efforts for packaging the income. For example, Nahan Foundry has been a successful enterprise of Himachal in its story of good days, but simple solutions to managerial challenges weakened its potential. The very valuable land of this enterprise was located in other states, but the means of earning by selling it in lieu of ghats limited it. Similarly, the Milk Federation finds economic space in the production of sweets or gajak once or twice a year, but later fills the void in the interest of the customers. Technically, if something has to be achieved in milk products, then many products will have to be added with continuity. There was a time when HPMC also used to do national level marketing for its products. Then HPMC's juice bars at every bus stand and railway station of the country made its products the national drink. Now the machinery has worn out or the government enterprises are unable to understand the changing market of consumers. Actually, there is no consciousness towards R&D or innovation in the government nature of Himachal. Under a routine, all the corporations keep making old pages red in their headquarters i.e. Shimla. Now the time has come to shift the headquarters of all the boards and corporations of the state from Shimla to the production areas. The headquarters of HPMC should be attached to Parwanoo processing plant, while the Milk Federation should get a permanent place in the proposed milk plant of Dhagwar. The headquarters of HRTC should be in Hamirpur or Una, while the Electricity Board should be completely shifted to Sundarnagar. The state can carve out a government house in Shimla, but it will get the power to run the house at the district headquarters outside the capital. Corporations related to industry and finance should establish their headquarters in BBN. ??If the vision of BBN as the economic capital of Himachal is realised, then all the state level offices of the banking sector should be established there. Similarly, if Kangra is to be made a tourism capital, then the headquarters of HPTDC should be shifted out of Shimla. However, if HPMC is thinking of earning from IT Park on Kolkata's land to meet the needs of the time, then every Municipal Corporation, Municipal Council-Panchayat and Panchayat will have to find options to generate income on their own land. If the Road Transport Corporation develops its bus stations as infrastructure for tourism and business, then dozens of malls can be developed simultaneously and the corporation can be saved from losses.

Lack of internal democracy in political parties

Aspects like hard work and dedication of party workers often become secondary in ticket distribution. In it, the entire emphasis is given only to the winning angle. In such a situation, loyal workers are sidelined and priority is given to money power, muscle power and caste-religious aspects. Especially, as elections are becoming more expensive, the importance of money power is increasing. In contemporary Indian politics, defection is a quagmire in which almost every political party is stuck. If we don't go too far, whether it is the Lok Sabha elections held from April to June or the assembly elections of Haryana and Jammu and Kashmir held recently, or if we take the example of Maharashtra-Jharkhand, which are facing the election process these days, then you may be confused about some leaders as to which party they are associated with these days. All the parties in both the states are grappling with dissatisfied and rebel candidates. In fact, leaders and parties have made defection so normal that it seems as if it is not an issue at all. However, this is not so. Whether it is a demand of morality or if we talk about an ideal political system, then this practice of defection definitely raises the question of trust and credibility in the political system. The first question that arises in this debate is why does this practice continue in our system? If we investigate the answer to this, then we will see the lack of political and election reforms. The mentality of some of our leaders, motivated by vested interests, is also at the root of this, which, if not a partner in power, at least wants to be close to it. Defection usually happens in two ways. One is before the election and the other is after the election. It is natural that people change sides in case they are denied a ticket in the election. However, there is not much danger in this, because before the election, the situation is clear to the voters as to who is in whose camp. In both situations, the defection that happens after the election is of a much more serious nature, because there is a greater risk of cheating the voters. Perhaps this is the reason that to curb the post-election defections, the Rajiv Gandhi government enacted the Anti-Defection Law in 1985, which was further strengthened by the Atal Bihari Vajpayee government in 2002. This did solve the problem of post-election defections to some extent, but it could not be completely resolved. The leaders have found a solution to this as well. Since a certain number is required for defection, after making that arrangement, it has now started happening in a more institutionalized manner. Even the majority figures are distorted by the representatives resigning from their membership of the House after the election. After that, the electoral process has started becoming even more cumbersome due to by-elections. At the same time, when the parties of the alliance fighting the election together go their separate ways for the sake of power, then that too is a kind of deception with the public opinion and mandate. The problem of defection has become more severe with time, and our political parties are the most guilty of it. Small parties are being run like personal estates, but the condition of big parties is also not very good. The leadership of big parties has also become centralized beyond limits. Internal democracy is also not in an ideal state. There is no definite process for candidate selection. In ticket distribution, aspects like hard work and dedication of the party worker often become secondary. In it, full emphasis is given only on the winning angle. In such a situation, loyal workers are being sidelined and priority is being given to money power, muscle power and caste-religious aspects. Especially as elections are becoming more expensive, the importance of money power is increasing. In such a situation, wealthy candidates have started getting preference. If such claimants do not get a ticket from their party due to some reasons, then the rival party accepts them readily. In many cases, it has also been seen that within five minutes of taking membership of the party, the said person is declared a candidate by the party. A leader who was holding a rally in favor of someone till half an hour ago suddenly reaches the stage of another party and starts lobbying for it. This highlights the ironies of the Indian political scenario. No legal initiative can necessarily be effective in stopping defection. Just look at the ill-effects of the anti-defection law. After its implementation, the personal rights of the public representatives have become so limited that they cannot even present their views on many issues. Many political observers interpret this situation in such a way that after the implementation of the anti-defection law, the public representatives have become 'bonded' to the political parties. Therefore, it would be better if the public itself becomes aware of this matter and forces the political parties to be responsible and accountable. All parties should work to correct the structural deficiencies related to our political system and take steps towards long-pending political and election reforms. Some lessons can be learnt in this matter from the countries of America and Western Europe. Our political parties can move forward by assimilating the positive points of the well-organized and well-organized political system of the West. In this, the system from the process of candidate selection to election funding and political adjustment can be improved. Although it is not that there is no problem of defection in the mature democratic countries of the West, but it is not so severe. There, from leaders to Political parties are quite vocal about their ideological insistence and the politics of ideology is not such that it can be suddenly changed like a skin. Whereas in India, even the leaders who claim to carry the palanquin of ideology do not shy away from changing it like clothes in this matter. In such a situation, if the ideology, internal democracy and the process of candidate selection are made transparent, then the problem of defection can be curbed to a large extent.

PM Awas Yojana is an ambitious scheme, promoting transparency

PM Awas Yojana Scheme There is a need to end the competition of schemes that are unproductive or promote freebies. Government money should not be allowed to be used to create vote banks. This is the right time that people should be given the same facilities in every government scheme as are being given to the applicants of PM Awas Yojana. The most notable of the various improvements made in the second phase of PM Awas Yojana, which fulfills the dream of owning a house of Modi government, is that now the applicants will also be able to know the status of their application. This will not only let them know when their dream of owning a house will be fulfilled, but in case of any obstacle, they will also be able to know who is responsible for it. Due to this, it will be easy for the government to complete the houses being built under PM Awas Yojana on time. PM Awas Yojana is an ambitious scheme. In the first phase of this scheme, approval was given to build 1.18 crore houses. Most of these have been built. In the second phase of this scheme, a target has been set to build one crore houses. A budget of Rs 10 lakh crore has been kept for this. This includes a subsidy of Rs 2.3 lakh crore. Every possible measure should be taken to ensure that such a huge amount is utilized properly and on time. At present, it is difficult to say when all those people in urban and rural areas who do not have their own house will be able to get a roof over their head, but it cannot be ignored that the PM Awas Yojana is helping in fulfilling the desire of crores of people. When homeless people get their own house, they not only find themselves more capable along with living a better life by being equipped with civic amenities, but their self-confidence also increases. They are ready to increase their income and thus help in the economic upliftment of the nation. Whether it is the central government or the state governments, they should pay special attention to such schemes that can help people stand on their own feet. It is not right that when there is a need to give top priority to schemes that make people self-reliant and economically more and more capable, then there is a race to implement populist schemes. There is a need to end the competition of schemes that are unproductive or promote freebies. Government money should not be allowed to be used to create vote banks. This is the right time that people should be given the same facilities in every government scheme as are being given to the applicants of the Pradhan Mantri Awas Yojana. This will not only bring transparency in the implementation of schemes, but will also help in completing them on time. It cannot be ignored that there is still a lack of transparency in government functioning. At least this should happen in every government department so that people know what is the status of their application or where and why the solution of the complaint they have made is stuck?

मुस्लिम डॉक्टर को बेचा मकान तो लोगों ने नगर मजिस्ट्रेट से की शिकायत, कहा- पोश कॉलोनी का खराब हो सकता माहौल

मुरादाबाद। थाना सिविल लाइंस इलाके की एक पोश कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने नगर मजिस्ट्रेट

से शिकायत की है कि कॉलोनी में रहने वाले आइ स्पेशलिस्ट डॉक्टर बजाज ने अपना मंदिर के पास स्थित मकान मुस्लिम समुदाय के डॉक्टर युसूफ को बेच दिया है। जिसकी वजह से कॉलोनी का माहौल खराब हो सकता है। शिकायत करने वालों का आरोप है कि टीडीआई सिटी में 1800 हिंदू परिवार रहते हैं और कॉलोनी में गेट भी लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर बजाज ने मुस्लिम समुदाय के यह मकान बेचकर कॉलोनी का माहौल खराब करने का प्रयास किया है। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट से मांग की कि वह इस मामले में हस्तक्षेप कर इस मकान की रजिस्ट्री कैंसिल कराएं। कॉलोनी के लोग डॉक्टर युसूफ को पूरा पैसा देने के लिए भी तैयार हैं। इस मामले में सिटी मजिस्ट्रेट ने जांच कर कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मकान खरीदने वाले मशहूर डॉक्टर युसूफ से जब संपर्क किया तो वह ऑपरेशन करने में व्यस्त हैं। वो दोपहर बाद मीडिया से मिलकर अपना पक्ष रख सकते हैं।

जर्जर हालत में गागन नदी पर बना पुल, बरेली जैसे हादसे का इंतजार

टूटी रेलिंग के चलते नदी में गिरने से बचा सवारियों से भरा टेंपो, टला हादसा, जिम्मेदारों की लापरवाही से कभी भी हो सकती है जनहानि

मुरादाबाद। कुछ दिन पहले बरेली में गूगल मैप ने टूटे पुल की लोकेशन देकर तीन जिंदगी खत्म कर दी थी। कुछ ऐसी ही हालात मुरादाबाद में भी है। जहां गागन नदी पर बने पुराने पुल की रेलिंग 20 दिन से टूटी हुई है। जिसकी वजह से सवारियों से भरा एक टेंपो नदी में गिरने से बाल-बाल बचा। रेलिंग

नहीं होने की वजह से टेंपो नदी में लटक गया। गनीमत रही कि टूटी रेलिंग में फंसने से टेंपो नीचे गिरने से बच गया। वरना यहां भी बड़ा हादसा हो सकता था। दिल्ली रोड स्थित लाकड़ी तिराहे से चंद कदम निकलते ही मझोला थाने से पहले गागन नदी पर दो पुल बने हैं। जिसमें नीचे की साइड पर बने पुराने पुल की रेलिंग 20 दिन पहले टूट गई। हालांकि यह पुल जर्जर है और 2016 में इस पर ट्रैफिक भी रोक दिया गया था। कई महीने तक इस पुल पर ट्रैफिक बंद रहा। लेकिन बाद में यहां बिना ठोस मरम्मत के पुल पर यातायात फिर से शुरू कर दिया गया। सोमवार को इस पुल पर हादसा होने से बच गया। हुआ यूं कि सवारियां भरकर जा रहे टेंपो चालक को टूटी हुई रेलिंग नहीं दिखी, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और टेंपो पुल से नीचे गिरने से बच गया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में टेंपो में मौजूद सवारियों को किसी तरह बाहर निकाला गया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। प्रतिदिन गुजरते हैं अधिकारी, नहीं ली जाती जर्जर पुल की सुध- अलग-अलग विभागों में तैनात छोटे-बड़े सभी अधिकारी इस पुल से होकर गुजरते हैं। दिल्ली हाईवे को महानगर को जोड़ने के लिए यही पुल एकमात्र जरिया है। लेकिन 20 दिनों से टूटी पड़ी इस रेलिंग पर किसी अधिकारी की नजर नहीं गई है। अधिकारियों को शायद यहां भी बरेली जैसे किसी बड़े हादसे का इंतजार है। 20 दिन से अभी तक किसी भी अधिकारी ने इस पुल की सुध नहीं ली है। जर्जर पुल पर लगा दी गईं महापुरुषों की मूर्तियां व फोटो- महानगर को स्मार्ट बनाने के नाम पर इसी गागन पुल पर झाड़ियों में महापुरुषों की पत्थर की मूर्तियां तो लगा दी गईं। लेकिन यहां टूटे पुल की मरम्मत की सुध अधिकारियों ने नहीं ली। महानगर को स्मार्ट बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये पत्थरों की प्रतिमाओं में लगाने वाली अफसरशाही प्रतिमाएं लगाने से पहले पुल की पटरियों की झाड़ियां तक साफ नहीं करा सकी। जिसके लिए किसी अतिरिक्त बजट की आवश्यकता भी नहीं थी।

महानगर की सड़कें बदहाल, कारोबार भी हुआ ठप...ग्राहक खरीदारी के लिए नहीं आ रहे

स्मार्ट सिटी के कार्य के चलते जीएमडी रोड से लेकर ताड़ीखाना चौराहे तक टूटी हैं सड़कें

मुरादाबाद। महानगर स्मार्ट तो नहीं हुआ, सड़कें जगह-जगह बदहाल पड़ी हैं। जीएमडी रोड से ताड़ीखाना

तक टूटी सड़कें आम जनमानस के लिए मुसीबत बनी हैं। इन सड़कों पर चलना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। स्मार्ट सिटी के कार्य के चलते व्यापारियों के कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। ग्राहक भी खरीदारी के लिए नहीं आ रहे हैं।महानगर में स्मार्ट सिटी के कार्य के चलते अधिकांश जगहों पर सड़कों की खोदाई कर उसी हालत में छोड़ दी जा रही हैं। छह माह से एक-एक साल तक सड़कें टूटी पड़ी रहती हैं। जिसका खमियाजा क्षेत्रीय लोगों के साथ ही व्यापारियों को भी उठाना पड़ता है। महानगर के जीएमडी रोड से लेकर ताड़ीखाना चौराहे तक आवाजाही और खरीदारी के लिए मुख्य मार्ग है। यहां से हर रोज हजारों वाहन व लोग दिन-रात गुजरते हैं। मुख्य बाजार होने की वजह से लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। इतना ही नहीं महानगर की घनी आबादी के बीच होने के कारण बच्चों के स्कूल आने-जाने का भी यही रास्ता है। ऐसे में बच्चों व लोगों को चोट लगने का डर बना रहता है। इसके बाद भी अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। व्यापारी गौरव का कहना है कि शादी का सीजन चल रहा है। पिछले दो माह से सड़कें टूटी पड़ी हैं। इस ओर किसी का कोई ध्यान नहीं है। इसका असर अब उनके कारोबार पर पड़ रहा है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के चलते पिछले दो माह से सड़कें टूटी पड़ी हैं। जिस वजह से हम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कें टूटी होने से ग्राहक आना नहीं चाह रहे हैं। इससे कारोबार प्रभावित हो रहा है।- गौरव आहूजा, व्यापारी दो माह से सड़कें टूटी हैं। इस वजह से दुकान पर बैठना भी मुश्किल हो रहा है क्योंकि धूल अंदर आती है। अगर पानी डालकर मिट्टीह को गीला कर देते हैं,तो लोगों के फिसलने का डर बना रहता है। इससे कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। - गुरजीत सिंह, व्यापारी जीएमडी रोड से ताड़ीखाना चौक तक सड़क टूटी है। इससे जाम भी लग रहा है। स्कूल की छुट्टी के समय बस और वैन की वजह से घंटों जाम रहता है। जिससे ग्राहक इस तरफ खरीदारी करने के लिए आना नहीं चाहते। - अंकित गगनेजा, व्यापारी शहर का मुख्य मार्ग होने की वजह से प्रतिदिन हजारों लोग और वाहन गुजरते हैं। सड़क टूटी होने के कारण लोगों को दुर्घटना का भी डर बना रहता है। सड़कें खोद कर छोड़ दी गई हैं लेकिन, कोई कार्य नहीं हो रहा है। अधिकारियों को सड़क जल्द बनवानी चाहिए।- विकास, जीएमडी रोड

नए साल में और बढ़ जाएगी स्मार्ट सिटी की चमक, 69.04 करोड़ की लागत से हो रहा है सौंदर्यीकरण कार्य

स्मार्ट रोड नेटवर्क और रेट्रोफिटिंग आफ ओल्ड मार्केट एरिया परियोजना इस माह के अंत या जनवरी के प्रथम सप्ताह में होगी पूरी

मुरादाबाद। महानगर को स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्ट सिटी की चल रही परियोजनाओं में से 2 अन्य परियोजनाएं दिसंबर के अंत या 15 जनवरी तक पूरी हो जाएंगी। इनके पूरा होने पर महानगर के पॉश क्षेत्र बुध बाजार, इंपीरियल तिराहा, जेएमडी रोड आदि क्षेत्रों में स्मार्ट रोड का नेटवर्क फैल जाएगा।

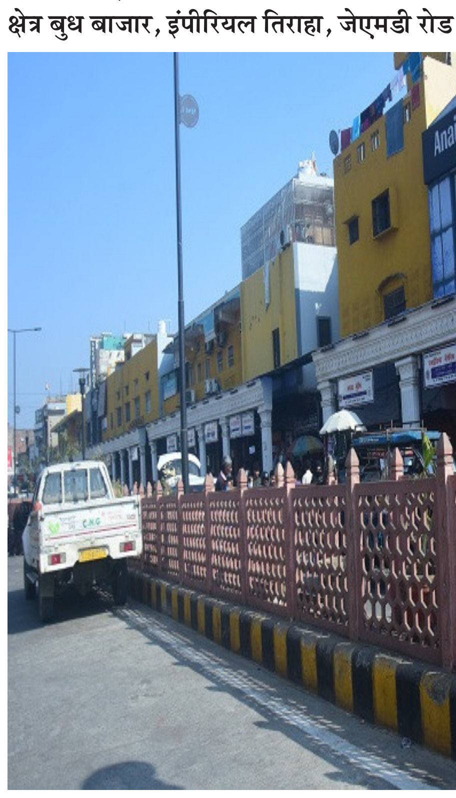

साथ ही पुराने बाजारों का सौंदर्यीकरण का कार्य भी पूरा हो जाएगा। इससे नए साल में स्मार्ट सिटी की चमक और बढ़ जाएगी। स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 37 परियोजनाओं में से 32 पूरी हो चुकी हैं। पांच लंबित हैं। इसमें से 127 करोड़ रुपये का स्मार्ट रोड नेटवर्क और 69.04 करोड़ रुपये की रेट्रोफिटिंग आफ ओल्ड मार्केट एरिया परियोजना भी अधर में है। इसका कार्य अतिक्रमण न हटने से अधर में है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने नगर निगम व स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ तीन महीने पहले बुध बाजार व अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यापारियों से खुद अतिक्रमण हटाने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया। यहां तक कि जनप्रतिनिधि भी व्यापारियों के पक्ष में खड़े रहे। तिक्रमण न हटने से अब तक यह दोनों परियोजनाएं अधर में हैं। उप चुनाव की आचार संहिता को देखते हुए नगर निगम प्रशासन व स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारी आगे नहीं बढ़ रहे थे। लेकिन अब कुंदरकी विस उप चुनाव के समाप्त होने के बाद नगर निगम प्रशासन स्वयं अतिक्रमण हटवाने के लिए कदम उठाएगा। वहीं महानगर के कई पार्कों और डिवाइडरों आदि का सौंदर्यीकरण कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसके पूरा होने से नये साल में महानगर और स्मार्ट दिखेगा। स्मार्ट सिटी मिशन के महाप्रबंधक तकनीकी अनिल कुमार मित्तल ने बताया कि जल्द ही अतिक्रमण हटाकर दोनों परियोजनाओं को पूरा कराया जाएगा। दिसंबर के अंत या अधिकतम 15 जनवरी तक दोनों परियोजनाओं का कार्य पूरा हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर 10 से रुकेगी वंदे भारत, रद्द की गई 8 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनें

मुरादाबाद। रेल मंडल के नजीबाबाद रेलवे स्टेशन के यात्रियों को रेलवे की ओर से वंदे भारत एक्सप्रेस के सफर का तोहफा दिया जा रहा है। 10 दिसंबर से लखनऊ-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस (22545-46) नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

डीसीएम रेहान रजा रिजवी ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस का नजीबाबाद में नया स्टापेज बनाया गया है। लखनऊ से चलने वाली वंदे भारत नजीबाबाद में सुबह 11-08 बजे और देहरादून से इस स्टेशन पर शाम 16-17 बजे दो मिनट का ठहराव निर्धारित किया गया है। कोहरे के चलते मार्च तक के लिए रद्द की गई 8 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनें- रेलवे प्रशासन ने मंडल मुख्यालय से लखनऊ और दिल्ली के बीच संचालित होने वाली आठ जोड़ी ट्रेनों को आगामी मार्च तक के लिए रद्द कर दिया है। जिसके चलते इन स्टेशनों के कीच आवाजाही करने वाले रेल यात्रियों के तीन महीने दुश्वारियों होंगी। रेलवे ने कोहरे से निपटने के लिए रेल मंडल में चलने वाली 8 जोड़ी ट्रेनों को संचालन बंद रखने का फैसला लिया है। दो दिसंबर से एक मार्च 2025 की अवधि में मेमू और पैसेंजर ट्रेनें नही चलेंगी। मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेहान रजा रिजवी ने बताया कि कोहरे को देखते हुए इन पैसेंजर ट्रेनों को संचालन बंद किया गया है। जिसमें बरेली-दिल्ली पैसेंजर, मुरादाबाद-गाजियाबाद मेमू, शाहजहांपुर- लखनऊ और लखनऊ-शाहजहांपुर समेत अन्य ट्रेनें शामिल है। यह ट्रेनें की गई निरस्त- 04303-04 बरेली-दिल्ली 2 दिसंबर से 1 मार्च 2025 04335-36 मुरादाबाद-गाजियाबाद मेमू 1 दिसंबर से 3 मार्च 2025 04319-20 लखनऊ-शाहजहांपुर 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2025 04379-80 बरेली-रोजा 2 दिसंबर से 2 मार्च 2025 04305-06 बालामऊ-शाजहांपुर 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2025 04355-56 लखनऊ-बालामऊ 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2025 04337-38 सीतापुर-शाहजहांपुर 1 दिसंबर से 1 मार्च 2025 04365-66 मुरादाबाद-बरेली 1 दिसंबर से 2 मार्च 2025

विश्व दिव्यांग दिवस मनाने व दिव्यांगों को सम्मानित करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

मुरादाबाद - डॉ0 भीमराव अम्नेहेकर पार्क सिविल लाइन्ना में हैण्डी कैप है हा डेवलपमेन्ट सोसाइटी, मुरादाबाद द्वारा विश्व

दिव्यांग दिवस मनाने व दिव्यांगों को सम्मानित करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के सचिव श्री सत्य पाल सिंह ने समस्त समाज से अपील की कि वे दिव्यांगों से प्रेत्र व स्नेह से बात करें व सेवा व सहायता की जब इन्हें आश्यकता से करें। दिव्यांग भी समाज का एक हिस्सा है। होते नहीं कभी किसी से भी कम दिव्यांग मिले जरा सा प्रेम/ सहयोग लगाएं ऊंची छलांग संस्थाले योजना प्रभारी श्री सुधेश कुमार जी ने बताया की संस्था दिव्यांगों के दिव्यांग प्रमाणपत्ल, पेंशन, स्वरोजगार, शिक्षा वस्वास्थय हेतु योजनाये संचालित कर रही जिले का कोई भी दिव्यांग संस्था से संपर्क करके निःशुल्क लाभ प्राप्त कर सकता है। इन्होंने मांग के द्वारा मौजूद जिले के अला अधिकारियों से भी अनुरोध किया। जिसमें दिव्यांग पेंशन- 3000 रु प्रतिमाह, राशन कार्डचर दिव्यांगो को 20 1द्मद्द प्रति युनिट अनाज, रोजगार हेतु 1से 10 लाख तक की सहायता राशि व दिव्यांगो को प्रताड़ित या अपमानित करने वालो को कालो पर दिव्यांग एक्ट 2016 को पूरी तरह से लागू करने की बात की वैशरसी दौड़ में प्राय-इस अवसर पर दिव्यांगो की ट्राइ साइकिल दौड़, बैशाखी दौड़, मेंहदी आदि प्रतियोगिता में आयोजित की गई जिसमे दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हिफाजा - इमरी हिना तीसय जैनन सभी को प्रशिस्त पल मेडल, शिल्ड आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से किया गया जागरूकता शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -नाज़िम हुसैन अंसारी

मुरादाबाद - डिलारी में मंगलवार को जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आज विपणन विकास सहायता कार्यक्रय (एस.सी.एस.पी) के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद के विकास खंड डिलारी में खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की तरफ से एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने विभाग की ओर से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के बारे में विस्तृत रूप से उपस्थित महिलाओ को बताया। साथ ही उन्होंने आत्मनिर्भर बनने पर बल दिया।उन्होंने महिलाओं को विशेष रूप से जागृत करते हुये यह कहा कि समूह के माध्यम से बहुत से ऐसे कार्य हैं जो किये जा सकते है जिससे परिवार की आमदनी को बढ़ाया जा सकता है। इस मौके पर ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता , समाज कल्याण अधिकारी विख्यात चौहान सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

अंतर विश्वविद्यालय देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में छात्र ने जीता प्रथम पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली की छात्रा ने आज माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल जी की प्रेरणा एवं संरक्षण में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 148वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्लस्टर एक के अंतर्गत अंतर विश्वविद्यालयी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ.भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वारा किया गया जिसमें समूह एक के 6 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें आगरा, मेरठ, बरेली , सहारनपुर और अलीगढ़ क्षेत्र के छह विश्वविद्यालय सम्मिलित रहे। कुलपति प्रो.के . पी .सिंह जी,कुलसचिव संजीव कुमार , नोडल अधिकारी एवं सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय , डॉ.इंदरप्रीत कौर, कल्चरल क्लब के सदस्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों ने अपर्णा मिश्रा को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्जल भविष्य की कामना की।।

जिलाधिकारी ने विकास भवन स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली । जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने आज विकास भवन में स्थित बाल विकास एवं पुष्टाहार संबंधित जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय बाल विकास विभाग द्वारा 0 से 5 आयु वर्ग के बच्चों के आधार कार्ड बनाने जाने किया गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए, कार्ड बनाने के कार्य मे गति लाने व कार्यक्रम अधिकारी को आधार बनाने के कार्यक्रम का प्रतिदिन अनुश्रवण करने के निर्देश दिए गये। निरिक्षण के दौरान कर्मचारियो की उपस्थिति चेक की गयी, समस्त कर्मचारीगण उपस्थित पाए गए। कार्यालय कक्ष मे साफ सफाई व्यवस्था को बेहतर करने तथा शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। निरिक्षण के दौरान आँगनबाड़ी केन्द्रो के निर्माण कार्यों की मौजूदा स्थिति के बारे मे विस्तार से जानकारी ली। निरिक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट राजीव कुमार शुक्ल, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार सहित कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

थाना कोतवाली क्षेत्र में कार से हुए रूपये की चोरी का कोतवाली पुलिस और एसओजी की टीम ने किया खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। थाना कोतवाली क्षेत्र के रजिस्ट्री ऑफिस के पास से राहुल भटनागर पुत्र ज्ञानेन्द्र कश्यप उनकी कार में रखे बैग से 25 लाख रुपये अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर लेने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली में चोरी की रिपोर्ट अज्ञात के विरुद्ध दर्ज करते हुए जांच की गयी, साथ ही उपरोक्त घटना के खुलासा हेतु जनपदीय एसओजी व थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गयी थी। इसी क्रम मे मंगलवार पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक के कार्यालय में क्षेत्राधिकार प्रथम पंकज श्रीवास्तव की मौजूदगी में बरेली की एसओजी टीम एंव थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में घटना का खुलासा करते हुए मालगोदाम रोड जेल के पीछे से घटना में शामिल दो पुरुष एंव एक महिला अपराधी को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से चोरी के 19 लाख 82 हजार रुपये, घटना में प्रयुक्त स्कूटी एक नाजायज तमंचा एक कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में पकडे गये अभियुक्त फईम के द्वारा बताया गया कि मैं अपनी पत्नी नसीम फातिमा व दामाद शाहनूर के साथ मिलकर ऐसे स्थानों पर घूम कर रैकी करते हैं जहां लोग पैसो को लेकर आते जाते हैं, और मौका लगते ही उनकी कार या मोटर साईकिल,स्कूटी की डिग्गी से पैसो के थैले लेकर भाग जाते हैं। पकडे गये अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही थाना स्थानीय पुलिस द्वारा की गई है। आरोपी फईम खाँ पर चोरी व अन्य आरोपों में तीन मुकदमे पहले से दर्ज है जिसमें थाना इज्जत नगर में एक कर से पिस्तौल चोरी होने का मुकदमा में शामिल है गिरफ्तार आरोपीयों में फईम खाँ पुत्र रफीक निवासी हजियापुर चुंगी थाना बारादरी बरेली उम्र करीब 48 वर्ष, दूसरा आरोपी शाह नूर पुत्र नवाब अली निवासी लोधी टोला थाना बारादरी बरेली उम्र करीब 22 वर्ष। तीसरी आरोपी नसीम फातिमा पत्नी फईम खाँ निवासी हजियापुर चुंगी थाना बारादरी बरेली उम्र करीब 45 वर्ष शामिल रहे। गिरफ्तारी बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा प्रभारी एस ओ जी टीम बरेली, उपनिरीक्षक नवीन कुमार एस ओ जी टीम बरेली नैपाल सिंह प्रभारी चौकी बिहारीपुर कोतवाली बरेली विक्रान्त आर्या प्रभारी चौकी स्टेशन रोड कोतवाली, महिला उपनिरीक्षक अंडर ट्रेनिंग जागृती गौतम थाना कोतवाली, मुख्य आरक्षी एसओजी टीम संजय सिंह नवीन,राहुल चौधरी आरक्षी प्रशान्त कुमार, ऋषभ चौधरी,सुनील कुमार,संदीप चाहर एस ओ जी टीम, थाना कोतवाली बरेली से ऊधम पवाँर, नवीन मलिक शामिल रहे।

उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) बरेली ने एक बार फिर उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित आईएमए यूपी स्टेट के 89 वें वार्षिक सम्मेलन में 2023-24 के लिए आईएमए बरेली को बेस्ट ब्रांच इन यूपी, डॉ. राजीव कुमार गोयल को बेस्ट प्रेसिडेंट इन यूपी, डा. गौरव गर्ग को बेस्ट सक्रेटरी इन यूपी, बेस्ट एडीटर फॉर बीआईएमए इन यूपी स्टेट, बेस्ट रिफ्रेशर कोर्स/साइंटिफिक इन 2023-24 एवं डॉ. मनोज अग्रवाल को प्रेसिडेंट अप्प्रेसिअशन अवार्ड एवं अन्य कई गोल्ड मेडल्स मिले जिनमें डा. आरके सिंह, डॉ. रतन पाल सिंह, डॉ. शिवम् कमठान, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. रूचि श्रीवास्तव, डॉ. रितु राजीव, डॉ. संध्या गंगवार आदि शामिल हैं। ये सम्मान न केवल चिकित्सा क्षेत्र में आईएमए बरेली के योगदान को मान्यता देते हैं, बल्कि संस्था को उच्च मानक स्थापित करने के लिए भी प्रेरित करते हैं। यह अवाड्र्स लेने आईएमए बरेली की ओर से पूर्व टीम एवं वर्तमान टीम गाजियाबाद में आईएमए यू.पी. स्टेट के 89 वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुई। इन अवाड्र्स की उपलब्धि पर आईएमए बरेली के सभी सदस्यों द्वारा डा. राजीव गोयल, डा. गौरव गर्ग, डा. आर. के. सिंह, डा. रवीश अग्रवाल, डा. विमल भारद्वाज आदि को शुभकामनायें दी गईं।

डॉ.राजेंद्र प्रसाद की याद में सिटी शमशान भूमि पर हुआ पौधारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली -। अन्तर्राष्ट्रीय कायस्थ परिवार के तत्वावधान में भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी की 141 वीं जयंती बरेली सिटी शमशान भूमि पर पौधारोपण एवं विचार गोष्ठी आयोजित कर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपमेन्द्र सक्सेना एडवोकेट ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपमेन्द्र सक्सेना एडवोकेट ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद जी एक सच्चे देशभक्त और एक महान नेता थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके लिए उन्हें दो बार जेल भी जाना पड़ा। वह भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1960 में अपने राष्ट्रपति पद के द्वितीय कार्यकाल में बरेली सिटी शमशान भूमि में उन्होंने चंदन का पेड़ लगाया था जो संरक्षण के अभाव में चोरी हो गया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर आज उनकी जयंती पर हम बेल, नीम, आम, जामुन एवं अमरूद आदि के पौधे लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। सुनील सक्सेना ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी सादगी व शालीनता की मिसाल थे। नई पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है । इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिकेश कुणाल सिंहा की संस्तुति पर प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश जौहरी द्वारा संगठन और समाज को मजबूत करने का आवाहन करते हुए अतुल सक्सेना को अंतर्राष्ट्रीय कायस्थ परिवार, बरेली महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया । कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश जौहरी, अतुल सक्सेना ,सुनील सक्सेना, पूर्व पार्षद महेश पंडित, विनीत सक्सेना, राकेश सक्सेना, आदेश कुमार सैनी, पारस,शंकर स्वरूप सक्सेना, संजय सक्सेना, विपिन कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री जगदीश निमिष ने किया।

संक्षिप्त समाचार

बरेली के नील शर्मा ने किया नाम रोशन, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से पास आउट हुए

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। बटलर प्लाजा के चश्मा व्यापारी शैलेश शर्मा के पुत्र नील शर्मा ने एन डी ए से पास आउट होकर जिले का नाम रोशन किया । बताते चलें कि नील शर्मा शुरू से ही मेघावी छात्र रहे। इन्होंने बारहवीं की परीक्षा जी आर एम स्कूल से 94त्न से पास की थी और यूपीएससी की एन डी ए की परीक्षा पहले प्रयास में ही पास की थी। 3 साल की कठिन ट्रेनिंग के उपरांत वायु सेना प्रमुख ऐ पी सिंह की मौजूदगी में पास आउट हुए । मां अलका शर्मा का मोटिवेशन शुरू से ही इन्हें मोटिवेट करता रहा । नील शर्मा की बहन भाव्या शर्मा भी जी आर एम की कक्षा 8 की छात्रा हैं ।

पुत्री के ससुराल वालों ने किया अपमानित तो हार्ट अटैक से पिता की मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच-रजनीश श्री वास्तव

थाना फरीदपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जेड का है जहां के निवासी मुन्ने शाह ने अपनी पुत्री का विवाह 2 वर्ष पहले भिडोलिया में वाहिद अली पुत्र जाहिद अली के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के हिसाब से किया था परंतु जल्द ही ससुराल वालों ने दहेज के लिए युवती को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया व अपाचे मोटरसाइकिल और 2 लाख की मांग करने लगे मामला यहीं नहीं रुका पुत्री के जन्म के बाद युवती को ससुराल वालों ने मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया युवती को उसके मायके छोड़ कर भाग गए कीर्ति के पिता ने युवती के ससुराल वालों से बहुत समझाया परंतु दहेज के लोभी नहीं माने मजबूर पिता ने ने ससुराल वालों के खिलाफ थाना फरीदपुर में स्नढ्ढक्रदर्ज कराई परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई अपनी पुत्री का घर बचाने के लिए समझौते के लिए पुत्री के ससुराल गए पिता को पुत्री के ससुराल वालों ने इतना अपमानित किया कि युवती के पिता को हार्ट अटैक आ गया और लाचार पिता को ससुराल वाले मौके से छोड़कर फरार हो गए और मुन्ने शाह की मौके पर ही मौत हो गई लगभग 5 महीने बीत जाने के बाद भी थाना फरीदपुर पुलिस नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है अब पीड़ित युवती के भाई ने युवती के ससुराल वालों के खिलाफ सख्त सशक्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है ।

जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली । जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने आज क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का औचक निरीक्षण किया। निरिक्षण के दौरान औद्योगिक संस्थानों से लिए गए नमूनों की जांच की प्रगति के बारे मे जानकारी ली गयी तथा प्रदूषण से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति के बारे मे भी विस्तार से जानकारी ली गयी। प्रदूषण विभाग के Lims पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की भी जानकारी लेकर उनके निस्तारण के संबध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरिक्षण के दौरान कार्यालय की साफ सफाई तथा महानगर के,त्त्ढ्ढ (वायु गुणवत्ता सूचकांक)को बेहतर बनाये जाने आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उक्त के अतिरिक्त औद्योगिक आस्थानो द्वारा रामगँगा नदी को प्रदूषित किये जाने संबंधी शिकायतों के क्रम मे क्या कार्यवाही की गयी, के संबंध मे जानकारी ली गयी। निरिक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट राजीव कुमार शुक्ल, के साथ संबधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पप्पू यादव को धमकी देने वाले ने उगला ऐसा राज कि फंस गए खुद सांसद, धमकाने वाला जाप का पुराना कैडर

राजनीतिक महकमे से लेकर पुलिस मुख्यालय तक जिस बात की आशंका दबी जुबान से जताई जा रही थी, वही सच सामने आया है। वीडियो के जरिए सांसद पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई का नाम लेकर धमकाने वाला उनका ही समर्थक निकला। उसने पूरा राज उगल दिया।कांग्रेस में जाते-जाते निर्दलीय रहने के बाद पूर्णिया की जनता ने जिस नेता पर भरोसा जताया, वह टूटता नजर आ रहा है। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पांच-छह दिन जिंदा रहने का शख्स खुद उनकी पुरानी पार्टी-पुराना समर्थक बताया जा रहा है। बता रही है। वीडियो भेजने वाले इंटेलिजेंस से पहुंची पुलिस टीम खुलासा किया है कि इस पूरे कांड मिलने थे। क्यों? का जवाब उसने सुरक्षा बढ़ाई जा सके। सांसद की निकला राम बाबू - पूर्णिया एसपी मंगलवार दोपहर बताया कि वीडियो भेजकर जान से मारने की राय ने चौंकाने वाला खुलासा राम बाबू राय ने बताया कि वह की पुरानी पार्टी (जाप) का नेता बढ़ाने के लिए ऐसा किया गया राम बाबू से कॉन्टेक्ट कर सांसद वीडियो बनवाया था।ऐसा करने मिलते- पूर्णिया एसपी ने बताया राम बाबू ने बताया महीने भर पहले ने कॉल कर धमकी भरा वीडियो

को वीडियो मैसेज पर अल्टीमेटम देने वाला जन अधिकार पार्टी का यह कोई और नहीं, पुलिस शख्स तक आईटी-के सामने उस शख्स ने के लिए उसे दो लाख रुपए दिया है- ताकि, सांसद की पुरानी पार्टी का नेता कार्तिकेश शर्मा ने सांसद पप्पू यादव को धमकी देने वाले राम बाबू किया है। पूछताछ के दौरान आरा में निर्दलीय सांसद भी है। सांसद की सुरक्षा था। सांसद के समर्थकों ने को धमकी देने वाला के बदले दो लाख रुपये कि पुलिस की पूछताछ में सांसद के करीबी समर्थक बनाने को कहा था और बताया था कि सांसद को %जेड% सिक्योरिटी की सुरक्षा दिलानी है। इसलिए ऐसा करना जरूरी है। इसके बदले उसे दो लाख रुपए मिलने थे। पार्टी में बड़ा पद देने की जिम्मेदारी भी दी गई थी। एडवांस के रूप में उसे दो हजार रुपये भी दिए गए थे। उसने दो वीडियो बनाया गया था। एक वीडियो इशारा मिलते ही सांसद के नंबर पर भेजा था। रामबाबू का लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से कोई संबंध नहीं है। सांसद के सहयोगियों ने उससे संपर्क किया- सपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि चार से पांच साल पहले सांसद आरोपी के गांव गए थे। इस दौरान रामबाबू राय ने पप्पू यादव के साथ फोटो खिंचवाई थी। शायद रामबाबू ने पप्पू यादव की पुरानी पार्टी भी जॉइन किया था। एसपी ने कहा कि आरोपी ने जो भी कुछ बताया है, उसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। इसकी जांच चल रही है। उसने बताया कि सांसद के सहयोगियों ने उससे संपर्क किया। कहा गया कि सांसद की सुरक्षा बढ़ाने के लिए जरूरी है कि इस तरह की कोई धमकी दी जाए। इसके लिए रामबाबू को तैयार किया गया। पुलिस को दोनों वीडियो मिल चुके हैं- समर्थकों की ओर से रामबाबू को कुछ पैसे दिए गए। भविष्य के लिए लालच भी दिया गया। रामबाबू ने धमकी वाले दो वीडियो बनाए थे, जिसमें एक सांसद को भेज दिया गया था, जबकि दूसरा अभी रखा था। पुलिस को दोनों वीडियो मिल चुके हैं। एसपी ने बताया कि आरोपी की ओर से जिनका नाम लिया गया है, उसकी जांच की जा रही है। आरोपी ने दोनों वीडियो एक महीना पहले ही शूट किया था। जब एसपी से पूछा गया कि आखिर आरोपी ने किन समर्थकों के बारे में बताया, क्या नाम बताया, तो उन्होंने कहा कि ये जांच का हिस्सा है, इसलिए अभी हम नाम का खुलासा नहीं कर सकते हैं।

एलएसी पर शांति बहाली के बाद सीमा विवाद सुलझाने पर जोर, जयशंकर ने लोकसभा में दी जानकारी

लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद पर जानकारी देते हुए कहा कि, एलएसी पर हालात सामान्य है। फिलहाल शांति बहाली की कोशिश जारी है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि, सीमा पर हालात सुधारने कि, कोई भी पक्ष स्थिति से छेड़छाड़ का समाधान किया जाएगा। चीन कहा कि, सीमा पर हालात सामान्य एलएसी पर बहाली के लिए सेना कि, एलएसी पर बहाली का पूरा कूटनीतिक पहल से सीमा पर हालात और चीन के बीच सहमति बनी है किया जाएगा और साथ ही दोनों जाएगा। सीमा पर शांति के बिना %सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र कराना चाहता हूं। सदन को पता है जब चीनी कार्रवाइयों के बाद था। हाल के घटनाक्रम जो तब से ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए विवाद के समाधान के लिए निष्पक्ष,

के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया नहीं करेगा और सहमति से ही सभी मसलों से बातचीत के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने होने के बाद ही चीन से बातचीत की गई है। को श्रेय- विदेश मंत्री- विदेश मंत्री ने कहा श्रेय सेना को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, सामान्य हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं देशों के बीच पुराने समझौतों का पालन किया भारत-चीन के संबंध सामान्य नहीं रह सकते। दशकों तक बातचीत%- लोकसभा में विदेश सदन को भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाते हैं, दिशा में स्थापित किया है। भारत और चीन कई दशकों तक बातचीत की है। सीमा उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चा की गई। सदस्यों को याद होगा कि अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन की तरफ से बड़ी संख्या में सैनिकों को एकत्र करने के बाद कई बिंदुओं पर हमारी सेनाओं के साथ आमना-सामना हुआ। इस स्थिति के कारण गश्ती गतिविधियों में भी बाधा पैदा हुई। यह हमारे सशस्त्र बलों के लिए श्रेय की बात है कि रसद संबंधी चुनौतियों और तत्कालीन कोविड स्थिति के बावजूद, वे तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाबी तैनाती करने में सक्षम थे।विवादित जगह से हटीं दोनों देशों की सेनाएं- बता दें कि बीते 21 अक्तूबर को भारत और चीन की सेनाओं ने विवादित पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से अपने-अपने सामान समेटने शुरू किए थे और नवंबर महीने से पहले ही इसे पूरा कर लिया गया था। भारत और चीन के संबंध 2020 के जून में गलवान घाटी में हुई घातक झड़प के बाद काफी बिगड़ गए थे। यह झड़प दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष थी।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में एयर गन लेकर शिक्षिका को धमकी देने के मामले पर पुलिस ने लिया त्वरित संज्ञान, आरोपी प्रधान पाठक हुआ गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। एक प्रधान पाठक के द्वारा स्कूल में बंदूक ले जाकर शिक्षिका को धमकी देने संबंधी न्यूज सोशल एवं वेब मीडिया

में वायरल होने पर इसे त्वरित संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी प्रतापपुर ने बीईओ प्रतापपुर से लिखित रिपोर्ट प्राप्त कर आरोपी प्रधान पाठक सुशील कुमार कौशिक के विरूद्ध धारा 221, 351(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर प्रधान पाठक को गिरफ्तार किया है। दरसल प्राथमिक शाला बरबसपुर का प्रधान पाठक सुशील कुमार कौशिक दिनांक 21/11/24 को नशे की हालत में बंदूक के साथ शासकीय हाई स्कूल बरबसपुर में घुसकर वहां के संकुल प्राचार्य को दिनांक 20.11.24 को अनुपस्थित क्यों किये हो कहकर गोली मारने की धमकी दिया उसके शाला आने से बच्चों पर बुरा असर पड़ा है।

11 जुआड़ियों को चौकी बसदई पुलिस ने जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कार्यो पर पूरी तरीके से अंकुश लगाने और ऐसे कृत्य में लिप्त लोगों के

विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में दिनांक 03.12.2024 को चौकी बसदेई पुलिस ने मुखबीर से प्रापत सूचना के आधार पर ग्राम खड़गवां में घेराबंदी कर जुआ खेलते विष्णु देवांगन, संजू उर्फ चांदी, अब्दुल, संदीप साहू, शुभम नाई, समयलाल, मोनू राजवाड़े, गोपाल यादव, सदन साहू, दीप नारायण साहू व राजकुमार को रंगे हाथों पकड़ा जिनके पास व जुआ फड़ से 8200 रूपये जप्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही किया है।

धरना-प्रदर्शन, जमकर नारेबाजी, सब बोले- अब हो बांग्लादेश पर सर्जिकल स्ट्राइक

धरना-प्रदर्शन में बच्चों, महिलाओं और पुरूषों के हाथों में बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की हकीकत बयां करते हुए तमाम कटआउट, बैनर और पोस्टर बर्बरता की असलियत दिखा रहे थे। जिन्हें देखकर लोग रो पड़े। अलीगढ़ के गांधी पार्क बस स्टेंड पर बांग्लादेश अल्पसंख्यक सुरक्षा मंच की ओर से आयोजित जनाक्रोश धरना प्रदर्शन में 3 दिसंबर को हजारों की तादात में आए हिंदुओं का आक्रोश देखने को मिला। वहां जमकर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी हुई। बांग्लादेश सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग उठी। बच्चों, महिलाओं और पुरूषों के हाथों में बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की हकीकत बयां करते हुए तमाम कटआउट, बैनर और पोस्टर बर्बरता की असलियत दिखा रहे थे। जिन्हें देखकर लोग रो पड़े। धरना-प्रदर्शन से पहले इस्कान के कार्यकर्ताओं ने हरिनाम संकीर्तन किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यकारिणी यूएनओ बना है। उन्हें गाजा, फलस्तीन तो दिखाई देता है, मगर इजराइल में मारे लोग उन्हें ये नीयत पर सवाल उठता है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर भयंकर अत्याचार हो रहा है। हिंदू मंदिर है। भारत सरकार को इसमें कठोर कदम उठाना चाहिए। चिन्मय कृष्ण दास को भी मुक्त जाति-पात भूलकर सभी को एकजुट होना होगा, तभी जी हम पर अत्याचार कर रहे हैं जबरदस्त प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश में हमारी बहन-बेटियों का चीरहरण हो रहा है। हे शकुंतला भारती ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समाज के भाई सर झुकाकर न जिएं, पूरा तो बांग्लादेशी अत्याचारियों को कफ़न भी नसीब नहीं होगा। सरदार हरदयाल सिंह ने कहा कभी किसी को प्रताड़ित नहीं किया। बांग्लादेश अल्पसंख्यकों की रक्षा करे, वरना नक्शे से हिंदू कम हुआ, वो क्षेत्र भारत से कट गया। महाराष्ट्र की जनता ने एक होकर बहुत बड़ा उठाना पड़ेगा। महामंडलेश्वर पूर्णानंदपूरी महाराज ने कहा कि अंहिसा परमोधर्म है, मगर जब

सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुलश्रेष्ठ ने कहा कि मानवाधिकार का हनन न हो, इसके लिए दिखाई नहीं देता। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का नरसंहार भी उन्हें नहीं दिखाई देता। इससे उनकी तोड़े जा रहे हैं। इस्कान के चिन्मय दास को गिरफ्तार कर लिया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक खतरे में कराना चाहिए। महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती मंच पर बोलते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उनका संहार कर सकेंगे। अब हम सभी को सड़कों पर उतरकर बांग्लादेश की सरकार के खिलाफ केशव, माधव अब रक्षा करो। बांग्लादेश अल्पसंख्यक सुरक्षा मंच की सह संयोजिकया व पूर्व महापौर भारत उनके साथ है। हिंदू अपने भाइयों का कत्लेआम नहीं देख सकता है। यदि हम अपने पर आ गए कि निर्बल पर सभी शासन करते हैं, पर सिखों ने हमेशा देश धर्म की रक्षा का काम किया है। उन्होंने बांग्लादेश हमेशा के लिए मिट जाएगा। अध्यात्मिक गुरु सुनील कौशल महाराज ने कहा कि जहां जहां संदेश दिया है। पांडवों ने भी युद्ध करके 18 दिन में अपना अधिकार पा लिया था। हमें भी कठोर कदम हमारे पर कोई अत्याचार करे तो हिंसा भी जरूरी होती है, वरना वो हमारा वध कर देगा। हमें सड़कों पर यदि उतरना होगा तो हम इसके लिए भी तैयार हैं। इस्कान के रसराज प्रभु ने कहा कि हिंदुओं के अंदर अध्यात्मिक बल जगाना होगा। तभी आसुरिक शक्तियों से निपटा जा सकता है। ये आसुरिक शक्तियां पूरी मानवता के लिए खतरा है। मंच के सदस्य अशोक पांडेय ने प्रस्तावना पढ़ी और जनाक्रोश धरना प्रदर्शन का संचालन किया। उनकी जोरदार आवाज से पूरा माहौल जोशीला हो गया। राज नारायण सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मा.सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी का केंद्रीय पत्र पढ़ा। विहिप प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख प्रतीक रघुवंशी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि बांग्लादेश अब सीरिया बन चुका है, जहां इस्लामिक जिहादी अपनी मनमानी कर रहे हैं। इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा इस्कॉन तो बहाना है,पूरा हिन्दू समाज निशाना है। विहिप हरिगढ़ विभाग मंत्री मुकेश राजपूत ने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले बहुसंख्यक समाज के लोग वहां पर रहने वाले अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बंद कर दे। एएमयू में बांग्लादेशी छात्रों को भेजा जाए उनके देश, वरना होगा प्रतिकार- दारा शिकोह फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आमिर रशिद ने कहा कि जब से बांग्लादेश बना है, तब से वहां पर 6 करोड़ हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। धरना प्रदर्शन से नहीं अब तो सीधे सर्जिकल स्ट्राइक से काम चलेगा, जिस तरह से पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की गई, उसी तरह से बांग्लादेश पर भी सर्जिकल स्ट्राइक की जाए। एएमयू में भी बांग्लादेशी छात्र पढ़ रहे हैं, उन्हें सीधे यहां से बाहर उनके देश भेजा जाए वरना यहां पर भी प्रतिकार होगा तो उन्हें मुश्किलें होंगी। ये रहे मौजूद धरना-प्रदर्शन में आरएसएस विभाग संघचालक राजकुमार, विभाग प्रचारक गोविंद, सह विभाग संघ चालक ललित कुमार,विभाग कार्यवाह योगेश आर्य महानगर संघचालक अजय सराफ, सह संघचालक देवेंद्र हनुमान, महानगर प्रचारक विक्रांत, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण पाल लाला, महानगर अध्यक्ष इंजीनियर राजीव शर्मा, बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह, एमएलसी ठाकुर मानवेंद्र प्रताप सिंह, एमएलसी चौधरी ऋषिपाल सिंह, शहर विधायक मुक्ता राजा, कोल विधायक अनिल पाराशर, इगलास विधायक राजकुमार सहयोगी, छर्रा विधायक रविंद्र पाल सिंह, सुनील पांडेय, गोपाल सिंह, गौरव शर्मा, डॉ राजीव अग्रवाल , करनी सेना के ज्ञानेंद्र चौहान, राहुल चेतन, राहुल वार्ष्णेय स्केप, भारती सिसौदिया, मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

महाविद्यालय का रासेयो सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहार पुर के द्वारा कांतिपुर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह श्री मनोहर सिंह सरपंच कांतिपुर के मुख्य अतिथि , विशिष्ट अतिथियों में श्री भगवत सिंह धुर्वे प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला कांतिपुर, रवि शंकर खरवार सरपंच पार्सल, शिव धन सिंह गणमान्य नागरिक सूरज लाल वैश्य शिक्षक कांतिपुर तथा महाविद्यालय के प्राचार्य जीतन राम पैकरा के अध्यक्षता तथा कार्यक्रम संचालन में संपन्न हुआ , सर्वप्रथम माता चरणों में पुष्प अर्पित कर दीप अगरबत्ती कीशुरुवात की गई , तत्पश्चात अतिथियों का अधिकारी के द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर इस सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन रहा , प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में बताया गया कि दिन छात्र-छात्राओं के द्वारा कांतिपुर ग्राम इसका कार्य योजना तैयार किया गया दूसरे बाद प्रभात फेरी निकाला गया जिसमें स्वच्छता मुक्ति अभियान स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम और से संबंधित जाति निवास प्रमाण पत्र फौती को चिन्हांकित किया गया आवास व्यवस्था गया दवाइयां का अभाव पाया गया शिक्षा का का जीवन स्तर निम्न है बिजली की व्यवस्था चिन्हित किया गया, इसी क्रम में बौद्धिक विभिन्न विभागों से अतिथियों को बुलाया गया भागवत सिंह प्रधान पाठक मा . शाला सुरेश कुमार मिश्राऔर टीम, आयुर्वेद संबंधी

अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के सरस्वती देवी और स्वामी विवेकानंद के प्रज्वलित कर शिविर के समापन स्वागत किया गया इसके उपरांत कार्यक्रम का सारगर्भित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, 26 नवम्बर 2024 से 2 दिसंबर 2024 तक प्रथम दिन शिविर उद्घाटन किया गया उसी पंचायत में क्या-क्या किया जा सकता है दिन सुबह प्रार्थना और योगा करने के अभियान जल व्यवस्था अभियान नशा आम जनता की क्या परेशानियां हैं राजस्व संबंधी समस्याएं कई प्रकार के बीमारियों को लेकर के समस्याओं को चिन्हित किया स्तर कम है जल व्यवस्था सही नहीं है लोगों सही नहीं है इस प्रकार कई समस्याओं को परिचर्चा में हर एक दिन अलग-अलग जैसे जन शिक्षक विद्वान राम प्रसाद सिंह, कांतिपुर,स्वास्थ्य संबंधी अधिकारियों चिकित्सा अधिकारी डा स्वेता भगत और टीम को , राजस्व संबंधी तहसीलदार साहब बी प्रजापति तहसील बिहारपुर और अन्य अतिथियों को बुलाकर के बौद्धिक परिचर्चा में शामिल कर शिवरार्थीयों के द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रतिवेदन के रूप में प्रस्तुत किया गया, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के बाद शिवराथीयों से उनके शिविर के सात दिन व्यतीत करने के अनुभव सीखने के बारे में उनका विचार लिया गया तत्पश्चात अतिथियों के द्वारा इस शिविर के बारे में उनका उद्बोधन उनके विचार रखे गए इसके बाद शिविर में आए छात्र-छात्राओं के द्वारा अपने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए , इसके पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा समस्त शिवरार्थियो को शिविर प्रमाण पत्र वितरित किए गए, इस कार्यक्रम में प्राचार्य के द्वारा अध्यक्षीय भाषण में कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई और धन्यवाद दी तथा इसी प्रकार आने वाले समय में भी सभी का सहयोग रहे सभी के सहयोग से कार्यक्रम निष्पादित हो इस प्रकार की आशा उन्होंने रखी, इसके पश्चात शिविर नायिका सीता सिंह और शिविर नायक सुनील गुप्ता के द्वारा कार्यक्रम की सफलता पर सभी का धन्यवाद किया गया, कार्यक्रम अधिकारी जायसवाल जी के द्वारा सभी के लिए आभार व्यक्त किया गया, इस कार्यक्रम में एनएसएस के छात्र-छात्राओं के अलावा स्कूल के छात्र-छात्राएं सभी शिक्षक, गण मान्य नागरिक आम जनता सभी की उपस्थिति रही और सभी का सहयोग रहा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिन्दुओ का उमड़ा जनसैलाब प्रदर्शन और रैली कर जताया अक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई। बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार, मंदिरों में तोड़फोड़ और पुजारियों के साथ मारपीट के खिलाफ जालौन के उरई में मंगलवार को हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं के आवाहन पर जन

आक्रोश रैली निकाली जिसमे बड़ी संख्या मे आम लोग पहुंचे और अत्याचार खिलाफ अक्रोश जताया ।रैली के बाद कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन किया गया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अत्याचार रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के हटने के बाद से कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर हमले बढ़ गए हैं। हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर मंदिरों में तोड़फोड़, पुजारियों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार की घटनाएं हो रही हैं। इसके विरोध में उरई में विश्व हिंदू परिषद और भाजपा के नेता तथा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। रैली टाउन हॉल से शुरू होकर कलेक्ट्रेट तक पहुंची। रैली का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष गुरु प्रसाद शर्मा, भाजपा विधायक मूलचंद निरंजन (माधौगढ़), कालपी विधायक प्रीतिनिधि आशीष चतुर्वेदी (आशू)गौरी शंकर वर्मा (उरई), जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामेंद्र सिंह सेंगर दीपमाला रवि सोनी, ने किया। कलेक्ट्रेट में धरना देते हुए रामधुन और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

सूरजपुर पुलिस का नशे के कारोबार पर कड़ा प्रहार लगातार जारी, नशीली वस्तु के अंतराज्यीय विक्रेता सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। नशे का कारोबार कर युवा पीढ़ी को नशे की लत लगाने और नशे के गोरख धंधे में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजने के कड़े निर्देश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के पुलिस अधिकारियों को दिए है।

अधिकारियों को सख्त कड़े निर्देश पर एसडीओपी सहित थाना-चौकी की पुलिस ऐसे लोगों की सूचनाए एकत्रित कर लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 30/11/2024 को एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी को मुखबीर ने सूचना दिया कि रामानुजनगर क्षेत्र में कुछ व्यक्ति अवैध नशीली मादक पदार्थ डोडा का परिवहन करने के फिराक में है। सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु एसडीओपी दलबल के साथ मुखबीर के बताए स्थान पर पहुंचे और घेराबंदी कर ट्रक क्रमांक सीजी 17 केआर 9711 सहित रवि कुमार नेताम पिता राजकुमार उम्र 32 वर्ष एवं लोकेश पिता राय सिंह उम्र 32 वर्ष दोनों निवासी ग्राम नंदनमारा, थाना कांकेर, जिला कांकेर को पकड़ी, जिनके कब्जे से 149 ग्राम मादक पदार्थ अफीम एवं 1 किलो 822 ग्राम डोडा चूरा जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 1 लाख 57 हजार रूपये है। मामले में अफीम व डोडा चूरा व घटना में प्रयुक्त ट्रक जप्त कर धारा 17(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि महेश कुमार साहू निवासी ग्राम नागफैनी, थाना सिसई, जिला गुमला झारखंड से खरीद कर लाना बताए। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर आरोपी महेश कुमार साहू पिता स्वर्गीय छेदी साहू उम्र 36 वर्ष को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने रवि और लोकेश को अफीम और डोडा चूरा सप्लाई करना स्वीकार किया है जिसके बाद उसे भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्यवाही में एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू, एएसआई मनोज पोर्ते, आरक्षक दीपक यादव, देवान सिंह, रूपदेव सिंह, सैध्नक देवचंद, पंकज पटेल, रजनीश, मानसाय व सम्मत सिंह सक्रिय रहे।

एस एस बी सीमा चौकी सुईयां में सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक भिनगा ने किया

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रवस्ती। कमान्डेंट 62 वीं वाहिनी एस.एस.बी भिनगा के दिशा निर्देशन में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी) द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सीमा चौकी सुईया, सोनपथरी, और गुज्जरगौरी कार्यक्षेत्र की 45 ग्रामीण महिलाओं के लिए 15 दिवसीय चौकी सुईया में माननीय श्रीमती इन्द्राणी वर्मा विधायक भिनगा, अमरेन्द्र कुमार उप-कमान्डेंट ने अन्य अतिथिगणो की उपस्थिति में दीप प्रजवल्लित कि %यह पहल ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि अपने सक्षम होंगी। मैं इस पहल के लिए 62वीं वाहिनी एसएसबी को धन्यवाद कार्यवाहक कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने अपने संबोधन में कहा, करता है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के कल्याण के लिए भी रोजगार के नए अवसर प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा को सिलाई के बुनियादी और उन्नत कौशल सिखाए जाएंगे, जिससे वे

सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीमा कुमार वरुण कार्यवाहक कमांडेंट 62वीं वाहिनी व निरुपेश करके इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक ने कहा महत्वपूर्ण कदम है। सिलाई जैसे कौशल के माध्यम से परिवारों और समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाने में देती हूं और उनकी इस प्रयास की सराहना करती हूं। %सशस्त्र सीमा बल न केवल सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित प्रतिबद्ध है। यह सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को में एक प्रयास है। इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण में महिलाओं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। शुभारंभ समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, और प्रशिक्षणार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। इस अवसर पर निरीक्षक योगेन्द्र सहित अन्य जवान और सिलाई प्रशिक्षु, प्रशिक्षक व भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गेस्ट हाउस के बाहर खड़े ट्रैक्टर ट्राली चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच-नीरज कुमार

उरई ।चोरों के हौसले बुलंद हैं। जिन्होंने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए एक गेस्ट हाउस के बाहर खड़े ट्रैक्टर ट्राली को पार कर दिया। चोरी की वारदात गेस्ट हाउस के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी ट्रैक्टर मालिक ने पुलिस को दी। जिस पर पुलिस सीसीटीवी के आधार पर वारदात को अंजाम देने वाले चोर के बारे में पता लगाने में जुट गई है। घटना जालौन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उरई रोड स्थित भिटारा ग्राम स्थित शिवा मैरिज गार्डन की है। बताया गया कि जालौन के मौहल्ला रावतान के रहने अमरेंद्र सिंह सेंगर पुत्र मंगल सिंह सेंगर अपना महेंद्रा ट्रैक्टर ट्राली को लेकर उरई रोड पर भिटारा ग्राम स्थित शिवा मैरिज गार्डन में शादी में आए थे। उन्होंने मैरिज गार्डन के बाहर अपना ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ा कर दिया। इसी बीच रात्रि लगभग तीन से चार बजे के बीच एक चोर ट्रैक्टर ट्राली के पास आया। जहां उसने बड़े आराम से ट्रैक्टर को स्टार्ट किया। बोबी इण्टर प्राइजेस लिखी ट्राली को ट्रैक्टर के साथ ले गया। जब सुबह के वक्त ट्रैक्टर मालिक अमरेंद्र ने अपना ट्रैक्टर ट्राली गायब देखा तो उसके होश उड़ गए। उसने गेस्ट हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें देखा कि 3-35 के करीब एक चोर ट्रैक्टर ट्राली के पास खड़ा होता है। वो बड़े आराम से ट्रैक्टर ट्राली को चुरा ले गया। इसके बाद ये सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। सीसीटीवी के आधार पर मामले की जांच की गई।

ऑपरेशन धरपकड़ अभियान के तहत 11 वारंटी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्यवाही के संबंध में दिए गए निर्देश तथा

वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे । अभियान आपरेशन घरपकड़ के क्रम में प्र0नि0 राजकुमार सरोज थाना सिरसिया मय हमराह द्वारा 11 वारंटी नीबर पुत्र संतराम नि0विशुनापुर पडवलिया, राम पुत्र रिक्खी नि0 पशपुरवा, विनय पांडे पुत्र बुद्धि सागर पांडे नि0 चांद गढी, बाबादीन पुत्र सूर्य लाल नि0 लोहनिया, राम पारस पुत्र अंबर प्रसाद नि0 बलनपुर बसंत पुर, भूरे पुत्र रामदीन नि0 जनकपुर, शिव कुमार पुत्र राम अवतार नि0 लोहटी, जगत थाना सिरसिया- राम उर्फ ननकु पुत्र राम प्रगट नि0 लोनियन पुरवा इओ मसहा, दद्दन पुत्र बच्छन नि0 दुरदुरपुर सिरसिया, रामलोचन पुत्र संतराम नि0 घोलिया दा0 पटखौली, चिंता राम पुत्र मागरे नि0 धर्मनतापुर थाना सिरसिया जनपद श्रवस्ती उक्त वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था। इन वारंटियों में मार-पीट, चोरी, आर्मस एक्ट, आबकारी अधि0, एनडीपीएस एक्ट जैसे मामलों के अपराधी शामिल हैं उक्त वारंटीयो / अभियुक्तो को मुखबिर की सूचना पर उनके घर पर दबिश देकर गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया।

लाल बालू खनन करते ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - उपजिलाधिकारी जमुनहा ने लाल बालू खनन करते हुये ट्रैक्टर ट्राली को पकडकर किया हरदत्त नगर गिरंट थाना मे सुपुर्द। जमुनहा तहसील के अंतर्गत थाना हरदत्त नगर गिरंट में

लाल बालू के खनन की सूचना मुखिबर द्वारा उपजिलाधिकारी जमुनहा को मिली जहां मौके पर पहुंचकर गाटा संख्या 1289 में एक ट्रैक्टर ट्राली जिसका रंग लाल स्वराज 855 एफ.ई. को लाल बालू फवड़े से खनन करते हुये पकड़ा गया। उपजिलाधिकारी जमुनहा आशीष भरद्वाज के निर्देश पर क्षेत्रीय लेखपाल सुनील कुमार मिश्रा विधिक कार्यवाही करते हुये हरदत्त नगर गिरंट थाना पुलिस को सुपुर्द किया।

Make tasty and healthy Vegetable Pulao in minutes with this recipe for lunch, children will also like the taste

Sometimes everyday food starts to seem a bit boring, isn't it? Especially at lunch! In such a situation, if you also want to eat something new and tasty, then Veg Pulao is a great option. Let us know in this article how you can make restaurant-like Veg Pulao (Vegetable Pulao Recipe) at home, that too without any hassle in just a few minutes! Sometimes you feel like giving a new twist to the daily food, especially at lunch time. In such a situation, if you are also looking for a new and tasty rice recipe, then Vegetable Pulao is a great option. You can make it full of nutrition by adding vegetables of your choice in it. Do you know that you can make restaurant-like delicious Vegetable Pulao at home? If not, then let us tell you its easy recipe. Ingredients for making Vegetable Pulao- Basmati Rice- 2 cups (washed and soaked) Oil- 2 tbsp Onion- 1 large, finely chopped Garlic- 3-4 cloves, finely chopped Ginger- 1 inch piece, finely chopped Carrot- 1 large, grated Peas- 1 cup (frozen or fresh) Cauliflower- 1/2 cup, cut into small florets Green chili- 2-3, finely chopped Curd- 1/2 cup Turmeric powder- 1/2 tsp Coriander powder- 1 tsp Cumin powder- 1/2 tsp Red chili powder- 1/4 tsp (according to taste) Garam Masala- 1/2 tsp Salt- as per taste Water- 3 cups For tempering: Oil- 1 tbsp Cumin seeds- 1/2 tsp Bay leaf- 2 Cinnamon stick- 1 inch piece Cloves- 2-3 Black pepper- 4-5 Method of making Vegetable Pulao- First of all heat oil in a pan and add cumin seeds, bay leaf, cinnamon, cloves And add black pepper and fry. Now add onion, garlic and ginger in the same pan and fry till golden. Then add carrots, peas, cauliflower and green chillies and fry for a few minutes. After this, add turmeric powder, coriander powder, cumin powder, red chili powder and garam masala and mix well. Then dissolve curd in some water and add it to the vegetables and mix well. Now add soaked rice and mix well. After this, add 3 cups of water on top and add salt as per taste. Now cover the pan with a lid and cook on medium flame for 15-20 minutes or till the rice melts. Finally, turn off the gas and keep the pulao covered for 5-10 minutes. Then serve it hot. Special Tips- You can also add other vegetables as per your choice in vegetable pulao such as capsicum, brinjal etc. If you want to make the pulao more delicious, then you can also add raisins, almonds or cashews to it. You can serve vegetable pulao with curd or raita, as it enhances the taste manifold.

You may not know these benefits of kissing, it will bring happiness in relationships, many diseases will also end

Kissing not only has physical benefits but also mental and emotional benefits. This is a simple way by which you can give new life to your relationship and keep yourself healthy too.

Actually, kissing prevents many diseases from touching you. You also remain mentally happy. Kissing your partner reduces stress. Kissing keeps relationships healthy along with strengthening them. Kissing brings amazing glow on the face. Kissing does not only come under the category of romance, but it also has physical and mental benefits. Kiss is that stage of love blossoming, in which only feelings are needed, not words. Kiss is the best way to express love. This is such a thing, which not only strengthens relationships, but can also prove beneficial for health. If you kiss your partner daily, your blood circulation remains fine. You remain mentally happy. Today we are going to tell you about the benefits of kissing. Let's know in detail- Kissing improves mental health- Kissing increases the level of Oxytocin in the body, which is a kind of hormone and is also called 'love hormone'. This hormone reduces stress and anxiety, due to which you feel calm and happy. Keeps the heart healthy- Kissing is also important for the heart. It accelerates the heartbeat, which improves blood circulation. Regular kissing can also reduce the risk of heart diseases. Immune system becomes strong- Kissing keeps the immune system strong. Actually, the new germs transferred to the mouth by kissing do not harm, but benefit the health. Which are beneficial for the immune system. Gets rid of any pain- Kissing causes the body to rapidly produce endorphins. Which works as a natural painkiller. These hormones make the body feel happy and relaxed. This gives relief from any physical pain. Makes the face glowing- When we kiss our partner, the facial muscles become active. Which accelerates blood circulation. It works to bring natural glow on the face. Kissing someone also reduces wrinkles. Strengthens the relationship- Kissing plays an important role in strengthening the relationship between girlfriend and boyfriend or husband and wife. It increases trust and understanding between the partners. Kissing deepens the emotional bonding, which keeps love and unity in the relationship.

Are you falling prey to emotional abuse in the name of love? Identify it in minutes with these 5 signs

Always shouting and misinterpreting things! Does your partner also behave in this manner with you? If yes, then this article is for you because here we are going to tell you about 5 such signs which point towards emotional abuse in the relationship. Let's know. There should be no place for insult in the name of love in any relationship. People often ignore emotional abuse in the name of love. Over time, this emotional abuse hollows out your mental health.When two people tie the bond of love, it is natural for the relationship to have ups and downs. It is common to have minor differences, but if you are constantly feeling that your partner emotionally abuses you, then you may be trapped in a toxic relationship. Many times, it is not easy to understand the difference between fighting and emotional abuse, but by looking at certain signs (Signs of Emotional Abuse), you can understand that your relationship is in danger. So let's know what are the symptoms of emotional abuse and how you can identify it in minutes.

Emotional abuse is a kind of mental violence, in which one person plays with the emotions of another person. This exploitation is as dangerous as physical violence. Victims of emotional abuse often feel lonely, helpless and hopeless. 5 Signs of Emotional Abuse You feel that you are always wrong Emotional abusers often blame their victim and hold them responsible for everything. They can make you feel like you are always wrong and everything you have done is wrong. This undermines your confidence and makes you easier to control. You feel you are aloneEmotional abusers often try to isolate their victim from their friends and family. They may make you feel like you are alone and cannot trust anyone else. This makes you more vulnerable and also makes you emotionally dependent.You feel you are scaredEmotional abusers often intimidate their victim. They may threaten you, yell at you, or insult you. This forces you to always be scared and you are afraid to make any decisions in your life. You feel you are not worthy of loveEmotional abusers often make their victim feel like they are not worthy of love. They may insult you, put you down, or tell you that you are not good enough for anything. This destroys your self-esteem and forces you to stay in a relationship that is harmful to you. Make you feel like you're going crazy - Emotional abusers often make their victims feel like they're going crazy. They may tell you that you're too sensitive, you're too emotional or you think too deeply about things. This leads you to question your own experiences and prevents you from seeking help.

Dhanush sent a legal notice of 10 crores on Nayanthara's documentary, the angry actress gave a befitting reply

Nayanthara's documentary Nayanthara Beyond the Fairy Tale is in the headlines these days.

Dhanush has sent a legal notice of 10 crores against the documentary. The reason for the case is being told that some scenes of her film Naanum Rowdy Dhan shown in the documentary have been used without permission. Now the actress has vented her anger on the notice. Dhanush sent a legal notice to Nayanthara The actress gave a befitting reply on social media, called the actor cheap for sending the noticeSouth's lady superstar Nayanthara is known for her outspoken style along with acting. The actress is currently in the limelight for one of her documentaries. Netflix documentary 'Nayanthara: Beyond the Fairy Tale' based on the actress' life and career is going to be released soon. Recently the trailer of the film was released. In the trailer, the makers have used the music of the Tamil film 'Naanum Rowdy Dhaan', after which their troubles have increased. In fact, South superstar Dhanush has sent a legal notice by filing a copyright case of 10 crores on this documentary. Nayanthara wrote an open letter for Dhanush- Nayanthara has given her reaction on the matter on Dhanush through an open letter. The actress has shared a post on her social media account, in which she is seen getting angry at Dhanush. In the letter, Nayanthara told how she has prepared the documentary with her team amidst all the difficulties. The actress said that she was asking permission from Dhanush for a long time to use the songs and lyrics of 'Naanum Rowdy Dhaan', but it was refused by Dhanush's team. Further, she told that she received a legal notice from Dhanush's team for using three seconds of the song and visuals of 'Naanum Rowdy Dhaan' in the trailer of the documentary, which was quite shocking for her. The actress further wrote in her open letter, 'We were shocked to read those lines where you questioned the use of some videos. Those videos which were shot on our personal devices, which have already been shared among the public on social media. You demanded Rs 10 crore for that video of just 3 seconds. This is the most despicable thing for you ever and shows what kind of character you have. I wish you were the person who shows what you do on stage. You do not follow what you say at all. At least not for me and my partner. The team was trying for two years - In her letter, Nayanthara has also claimed that for the last two years, she and her team were trying to get NOC from Dhanush for their documentary. When they did not get a response from Dhanush, they dropped the matter. He got the documentary re-edited and decided to release a new version. Let us tell you that the documentary film made on Nayanthara's life is going to stream on Netflix on November 18.

Jheel Mehta's pre-wedding ceremony started, had a lot of fun with friends in Bachelorette party

Jheel Mehta, who played the role of Sonu Bhide in the famous comedy show Tarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, got a lot of popularity from this serial. Even though she is no longer a part of this show, her fans still remember her. Currently, the actress has moved forward in her personal life and is going to get married very soon. Wedding is to be held on 28 DecemberJheel Mehta, who played the character of Sonu in Tarak Mehta, is going to get marriedSonu Bhide aka Jheel Mehta, who was seen in Tarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, is going to get married very soon. Recently, she has shared her excitement about getting married to her boyfriend Aditya Dubey. Their wedding is scheduled for December 28. Jheel had told in an interview that she has been dreaming of this day for many years. The couple is planning to have a grand wedding honoring their cultural roots. The theme of their wedding will also be traditional on this basis. Jheel was seen cutting the cake with friends- Now as the wedding date is approaching, her pre-wedding functions have also started. Jheel has shared pictures of the pre-wedding function on her social media. The actress was pampered by her friends before her big day. In the photos of the celebration, Jheel looks very beautiful in a white dress. The happiness of becoming a bride can be clearly seen on her face. She is seen cutting the cake and having fun with friends in the pictures. She played the character of Sonu in Tarak Mehta. Her girl gang gifted her a bouquet and showered a lot of love on the bride-to-be Jheel by kissing her. In her conversation with E Times, Jheel shared her excitement about becoming a bride. She said- It has been a fun journey. I am at peace with this stage. We will enter the new year as husband and wife. Our wedding will be an intimate ceremony in which only a few family members and close friends will be present. Jheel Mehta was not seen in any other show after Tarak Mehta Ka Ooltah Chashmah. She got a lot of popularity from this show. She was one of the most favorite members of Tappu Sena. Who is Aditya Dubey? - Let us tell you that Jheel's future husband Aditya Dubey is her childhood friend. Aditya is in the gaming studio business. Along with this, he is also active in video content creation. Currently, like Jheel, her fans are also excited to see her in bridal attire.

Ranveer-Deepika's daughter turned two months old, the actor called Dua's birth magical, said- 'Life has changed'

After 6 years of dating, Ranveer Singh and Deepika Padukone finally got married in the year 2018. On September 8, this couple got the privilege of becoming parents. Now during the media interaction, Ranveer has shared his experience of becoming a father for the first time. Ranveer Singh called Dua's birth magical and said that my life has changed. Ranveer Singh is happy Daughter born on September 8 - Deepika's daughter turned two months oldRanveer Singh's happiness is on the seventh sky since becoming a father. On September 8, Deepika gave birth to a daughter. The couple has lovingly named their daughter Dua Padukone Singh. Dua means prayer. Ranveer Singh expressed happiness - Now for the first time, Bajirao Mastani fame actor has publicly talked about his experience of becoming a new father. Ranveer said, "I have been doing daddy duty for a long time, so at this time I am experiencing immense happiness. I wish I had words to express what it is like, but there are no words in any language that I can express this happiness." Deepika is a very good partner - Ranveer - Ranveer told that his life has completely changed since the arrival of his daughter. He has started being happier than before. He further said, "Whatever sorrow there is, if you share it with someone then it reduces and if you are happy and if you share this happiness with others then it doubles. It is like magic. My relationship with Deepika has also become stronger. Your partner supports you in your happiness and sorrow and I am lucky that Deepika is my partner." Recently Ranveer and Deepika celebrated their sixth wedding anniversary. On this special occasion, the actor wished Deepika by sharing many pictures of her. He wrote, "Although every day is a day to appreciate your wife, today is even more special day #HappyAnniversary I love you." After dating for 6 years, Ranveer and Deepika got married on November 14, 2018 at Lake Como in Italy. It was an intimate wedding with just a few family and friends in attendance. Dua is now two months old.